संकलित परीक्षा–द्वितीय (2014–2015)
कक्षा–सप्तम् (VII)
विषय– हिन्दी

समयः 2:30 घण्टे **पूर्णांकः 60**

निर्देशः

(क) इस प्रश्नपत्र के चार खण्ड हैं– क,ख, ग एवं घ ।

(ख) सभी प्रश्न क्रमवार करना अनिवार्य है।

खण्ड़–(क)

प्र0–1 नीचे लिखे गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5=5)

वीरता की अभिव्यक्ति कई प्रकार से होती है। कभी उसकी अभिव्यक्ति लड़ने मरने में खून बहाने से, तलवार तोप के सामने जान गँवाने में होती है तो कभी जीवन के गूढ़ तत्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राजा विरक्त होकर वीर हो जाते हैं। वीरता एक प्रकार की अन्तःप्रेरणा है। जब कभी इसका विकास हुआ तभी एक नया कमाल नजर आया। एक नयी रौनक, एक नया रंग, एक नयी बहार, एक नयी प्रभुता संसार में छा गयी। वीरता हमेशा निराली और नयी होती है। नयापन भी वीरता का एक खास रंग है। वीरता देश काल के अनुसार संसार में जब कभी प्रकट हुई तभी एक नया स्वरूप लेकर आयी, जिसके दर्शन करते ही सब लोग चकित हो गये।

1. इनमें से कौन–सा वीरता की अभिव्यक्ति का साधन नहीं है?
   (क) लड़ना–मरना (ख) खून बहाना
   (ग) जान बचाते फिरना (घ) जीवन के गूढ़ तत्वों की खोज।
2. सत्य और जीवन के गूढ़ तत्वों की खोज के लिए कौन प्रसिद्ध है?
   (क) महावीर स्वामी (ख) गौतम बुद्ध
   (ग) सम्राट अशोक (घ) स्वामी राम कृष्ण
3. वीरता का विकास होने पर एक नया कमाल नजर आया। यह कमाल क्या था?
   (क) नई रौनक (ख) नई बहार
   (ग) नई प्रभुता (घ) उपर्युक्त सभी।
4. वीरता का एक नया स्वरूप सामने आया है जिसके दर्शन करने से सभी.....हो गए।
   (क) चकित (ख) भ्रमित
   (ग) उल्लसित (घ) हर्षित
5. इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या है?
   (क) सत्य की तलाश (ख) जीवन के गूढ़ तत्वों की खोज
   (ग) वीरता (घ) अंतःप्रेरणा।

प्र0–2 नीचे लिखे गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5=5)

इंद्रदेवता कोटर में तोते से आकर यूँ बोले।
'सब पक्षी उड़ गये यहाँ से तुमने पंख न खोजे।
रहने लायक हरे वृक्ष देखो हैं कितने इस वन में?
सूख गया वट वृक्ष गिरेगा, सोच रहे हो क्या मन में?'
तोता बोला, 'इंद्रदेव! मैंने कोटर में जन्म लिया।
वट के फल खाए, इसने रक्षा की, सम्मान दिया।।
सुख–सम्पत्ति के साथी, विपदा आए करें किनारा।
देवराज! अब स्वयं बताओ क्या कर्त्तव्य हमारा'?
इंद्र हुए खुश, बोले, 'प्रिय! जो माँगो वह वरदान मिले।'
तोता बोला, 'देव! कृपा से हरा–भरा यह ठूँठ खिले।।'
'तथास्तु' कहकर देवराज फिर दिए न कहीं दिखाई।
हरा–भरा वट वृक्ष हुआ फिर हरियाली लौट आई।।
जननी जन्मभूमि की खातिर कितना मन बलिदानी।
मन प्राणों में जगी रहे, तोते की यह अमर कहानी।।

1. इसमें '*तोता*' किसका प्रतीक है?
   (क) देशभक्त नागरिक का (ख) स्वार्थी देशभक्त का
   (ग) बलिदानी सैनिक का (घ) दीन–हीन देशवासी का

2. '*सुख–संपत्ति के साथी* में किन पर व्यंग्य है?
   (क) केवल सुख–भोग करने वाले साथियों पर
   (ख) सुख पाने में सहयोग करने वालों पर।
   (ग) दुःख में किनारा करने वाले साथियों पर।
   (घ) सुख–संपत्ति के साझीदारों पर
3. '*वरदान* का विलोम लिखिए।
   (क) पुरस्कार (ख) अभिशाप (ग) दंड (घ) उपहार
4. हरा–भरा वट–वृक्ष किसका प्रतीक है?
   (क) समृद्ध प्रांत (ख) फलदार पेड़ (ग) समृद्ध जन्मभूमि
   (घ) आश्रयदाता
5. यह कविता क्या प्रेरणा देती है?
   (क) देशभक्ति की (ख) आत्मबलिदान की
   (ग) देशहित बलिदान की (घ) समर्पण की

खण्ड़–(ख)

प्र0–3 नीचे लिखे पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5=5)

दोनों नवांगुतकों ने पहले से रहने में वैसा ही कुतूहल जगाया जैसे नववधू के आगमन पर परिवार में स्वाभाविक है। लक्का कबूतर नाचना छोड़कर दौड़ पड़े और उनके चारों ओर घूम–घूमकर गूटरगूँ–गुटरगूँ की रागिनी अलापने लगे। बड़े खरगोश सभ्य सभासदों के समान क्रम में बैठकर गंभीर भाव से उनका निरीक्षण करने लगे। ऊन की गेंद जैसे छोटे खरगोश उनके चारों ओर उछलकूद मचाने लगे। तोते मानों भली भाँति देखने के लिए एक आँख बंद करके उनका परीक्षण करने लगे। उस दिन मेरे चिड़ियाघर में मानों भूचाल आ गया।

1. नवागंतुक कहा गया है?
   (क) तीतर–शावकों को (ख) मोर–शावकों को
   (ग) खरगोश–शावकों को (घ) कबूतर–शावकों को
2. जब दोनों नवागंतुक अन्य पक्षियों–जानवरों के पास ले जाए गए तब लक्का कबूतर क्या कर रहा था?
   (क) सो रहा था (ख) दाना चुग रहा था
   (ग) नाच रहा था (घ) गुटरगूँ कर रहा था
3. किसके बच्चे ऊन के गोले जेसे दिख रहे थे?
   (क) खरगोश के (ख) मोर के
   (ग) बिल्ली के (घ) चूहे के
4. तोते दोनों शावकों का परीक्षण कैसे कर रहे थे?
   (क) आँखे खोल ध्यान पूर्वक देखकर (ख) एक आँख बंद करके
   (ग) टें–टें की आवाज निकालकर (घ) पंख फड़फड़ाकर
5. 'स्वाभाविक' शब्द में कौन–सा प्रत्यय प्रयुक्त है?
   (क) विक (ख) क
   (ग) इक (घ) आविक

अथवा

मैं पढ़ने में एकदम फिसड्डी था। किसी तरह दसवीं तक पहुँचा, मगर उसके आगे तो मामला बहुत कठिन था। एक बात कहूँ–अगर मैं हॉकी खिलाड़ी न होता तो शायद एक चपरासी की नौकरी भी मुझे न मिलती। आज मैं बैचलर आफ साइंस या आर्ट्स भले ही न होऊं पर गर्व से कह सकता हूँ कि मैं बैचलर ऑफ हॉकी हूँ। (हँसते हुए).....और मेरी शादी के लिए आप मुझे मास्टर ऑफ हॉकी कह सकते हैं।

1. मैं पढ़ने में एकदम फिसड्डी था! ऐसा कौन कह रहा था?
   (क) धनराज पिल्लै (ख) सचिन तेंदुलकर
   (ग) संदीप सिंह (घ) भरत छिकारा
2. 'किसी तरह दसवीं तक पहुँचा' का तात्पर्य है.....।
   (क) वह दसवीं तक पढ़ने में बहुत अच्छा था
   (ख) उसे दसवीं के बाद पढ़ने का अवसर नहीं मिला
   (ग) बड़ी मुश्किल से दसवीं तक पास होता रहा।
   (घ) दसवीं तक बड़ी आसानी से पास होता रहा।
3. उसे लगता था कि अपनी पढ़ाई के बल पर वह.....।
   (क) अच्छी नौकरी प्राप्त कर लेता (ख) ऊँचे पदों पर पहुँच सकता था।
   (ग) कोई नौकरी न पाता (घ) इनमें से कोई नहीं।
4. 'बैचलर आफ हॉकी' कहने का अभिप्राय क्या है?
   (क) हॉकी का नवसिखिया (ख) हॉकी के खेल में पारंगत
   (ग) हॉकी सिखाने में चतुर (घ) हॉकी टीम का कप्तान होना।
5. 'गर्व' शब्द का पर्याय इनमें से कौन–सा शब्द नहीं है?
   (क) अभिमान (ख) दर्प (ग) घमंड(घ) विनय।

प्र0–4 नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (2×3=6)

(क) कंचे देखकर अप्पू का मन कक्षा में क्यों नहीं लग रहा था?
(ख) मोर–मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए?
(ग) वीर कुँवर सिंह को बचपन में किन–किन कामों में मजा आता था?
(घ) धनराज पिल्लै किस खेल के प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं? किसी अन्य खिलाड़ी का भी नाम बताइये।
(ङ) गाँधी जी आश्रम के खर्च के लिए अहमदाबाद को विवश क्यों नहीं करना चाहते थे?
(च) खानपान की मिश्रित संस्कृति मे हम कई बार चीज़ों का स्वाद क्यों नहीं ले पाते?

प्र0–5 नीचे लिखे पठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (1×5=5)

धरती की–सी रीत है, सीत घाम औ मेह।
जैसी परे सो सहि रहे, त्यों रहीम यह देह।।

(क) 'धरती' की क्या रीत है?
(ख) 'मेह' शब्द का क्या अर्थ है?
(ग) मनुष्य के व्यक्तित्व की क्या विशेषता होनी चाहिए?
(घ) मनुष्य की तुलना किससे की गई है?
(ङ) कवि मनुष्य को 'धरती' से क्या सीख देना चाहता है?

अथवा

जागो बंसीवारे ललना!
जागो मोरे प्यारे!
रजनी बीती, भोर भयो है, घर–घर खुले किंवारे।
गोपी दही मथत, सुनियत है कंगना के झनकारे।।
उठो लालजी! भोर भयो है, सुर–नर ठाढ़े द्वारे।
ग्वाल–बाल सब करत कुलाहल, जय–जय सबद उचारै।।
माखन–रोटी हाथ मँह लीनी, गउवन के रखवारे।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, सरण आयाँ को तारै।।

(क) इस पद्यांश के रचयिता कौन है?
(ख) पद्यांश में किस समय की बात की गई है?
(ग) मीरा कृष्ण को क्यों उठाना चाहती है?
(घ) कृष्ण को जगाने हेतु द्वार पर कौन–कौन खड़े थे?
(ङ) ग्वाल–बालों के हाथ में क्या था?

प्र0–6 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (2×3=6)

(क) आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी की क्या दशा हुई?
(ख) मीरा को सावन मनभावन क्यों लगने लगा?
(ग) 'विप्लव–गायन' के माध्यम से कवि समाज में क्या परिवर्तन लाना चाहता है?
(घ) सच्चे मित्र की क्या पहचान होती है?

प्र0–7(क) भीष्म शर–शैय्या पर कैसे पहुँचे? (2×2=4)
(ख) रथ का पहिया कीचड़ में फँस जाने पर कर्ण ने अर्जुन से क्या कहा?

प्र0–8 सही विकल्प चुनकर लिखिए– (1×4=4)

(क) राजा विराट के यहाँ युधिष्ठिर किस नाम से जाने जाते थे?
1. वल्लभ 2. कंक 3. ग्रंथिक 4. तंत्रिपाल

(ख) श्रीकृष्ण ने युद्ध में किस पदवी से अर्जुन की सहायता की?
1. सेनापति बनकर 2. आम सैनिक बनकर 3. पार्थ–सारथी बनकर
4. घुड़सवार बनकर

(ग) 'अश्वत्थामा' नाम किसका था?
1. हाथी का 2. द्रोणाचार्य के मित्र का 3. हाथी व द्रोणाचार्य के पुत्र दोनों का
4. किसी अन्य का

(घ) महाभारत के युद्ध के पश्चात् श्रीकृष्ण ने कहाँ और कितने वर्षों तक शासन किया?
1. द्वारका पर छत्तीस वर्षों तक
2. मथुरा पर चालीस वर्षों तक
3. उत्तर प्रदेश पर बीस वर्षों तक
4. वृंदावन में तीस वर्षों तक

प्र0–9(क) निम्नलिखित शब्दों को प्रचलित हिन्दी रूप में लिखिए– (1×2=2)

रहीम की भाषा – हिन्दी के शब्द

बिपति –

मछरी –

(ख) सही विकल्प चुनकर लिखिए– (1×2=2)

(i) निम्न विकल्पों में से सही सन्धि शब्द छाँटिए–

नील+आभ = 1. नीलाआभ 2. निलाभ 3. नीलाभ

सिंह+ आसन = 1. सिंहआसन 2. सिंहासन 4. सींहासन

(ii) निम्न शब्दों से दो–दो अन्य शब्द बनाओ– (1×2=2)

गंध–

रंग–

(iii) निम्न शब्दों के वचन बदलिए– (1×2=2)

सलामी–

ज़िम्मेदारियों

(ग) सही विकल्प लिखिए– (1×2=2)

(i) 'हार–जीत' में कौन सा समास है–

1. द्वंद्व समास 2. द्विगु समास 3. तत्पुरुष समास

(ii) 'समाज+इक' का सही विकल्प है–

1. सामजिक 2. सामाजिक 3. समाजइक

प्र0–10 बीमारी के कारण दो दिन का अवकाश माँगते हुए प्राचार्य को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

खानपान संबंधी अच्छी आदतों हेतु छोटे भाई को पत्र लिखिए।

प्र0–11 किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए–

(क) पुस्तकों का जीवन में महत्व

(ख) प्रदूषण की समस्या

(ग) परिश्रम का महत्व।